THE NIGHT

Ferdinando Frega - Nando the Scribe



Gillettenarrative.com

जिलेट: रात

जिलेट 20 — नांदो, लेखक

हाँ, उस रात भी हम अकेले रहे। बस हम दोनों। मैं और हज़ार लड़ाइयों का मेरा साथी — वह जिसने उम्मीदों से कभी दग़ा नहीं की थी, जिसने हमेशा मेरी लाज रखी थी। एक अतिरिक्त मूल्य, जो उस भूमिका के लिए शाश्वत सम्मान का हक़दार है।

पर ध्यान रहे — मैं किसी कुत्ते की बात नहीं कर रहा। भले ही उसका नाम D अक्षर से शुरू होता है। हाहाहाहाहा।

कौन जाने हमारी और कितनी मुलाक़ातें होनी थीं। कितने देश, भीड़ भरी जगहें और ख़ाली जगहें। पर अब आँखें मूँदने का वक़्त था। दिन भर की भावनाएँ बहुत थीं। और रोना उन लोगों को शुक्रिया कहने का एक तरीक़ा बन गया था जो अब नहीं रहे थे।

दोपहर में एक क़ब्रिस्तान के पास मिली एक एशियाई फूलवाली की मौजूदगी मुझे 1990 के दशक की एक याद में लौटा ले गई।

तिहानी एक जवान और ख़ूबसूरत औरत थी, हनोई के एक चकले के भीतर। उस दिन वह मुझे उसे दिखाने ले गई — अपने काम की जगह दिखाने। उसके लिए यह वैसा ही था जैसे मुझे न्यूयॉर्क के वन लिबर्टी प्लाज़ा की 54वीं मंज़िल का बिज़नेस सेंटर दिखाना। उसे कोई फ़र्क़ नहीं दिखता था।

उसे गर्व था। उस जगह से वह ख़ुश थी। उसने उसे अपनी क़ाबिलियत से कमाया था और अपनी माँ को हराया था, जो उस अड्डे की पिछली मुखिया थी। एक आदर्श पारिवारिक ढाँचा, कहा जा सकता है — किसी प्रकाशन-गृह के कर्मचारियों के लिए।
उसने मेरी बाँह थामी, मुझे बिठाया, नींबू की चाय पेश की, और कहा:

नांदो, हमेशा याद रखना — जंग के भीतर के हमले कभी फ़ौरी जवाब नहीं चाहते। जज़्बाती नहीं। पलटवार वाले नहीं। सिर्फ़ इंतज़ार। वह इंतज़ार जो समझदार और तर्कसंगत बर्ताव की बेटी है, जहाँ जीत तुम्हारी इकलौती साथी है। जीत ही है जो तुम्हें सुख और ख़ुशी देती है। और अक्सर कोई क़ीमत नहीं माँगती। वह यह प्यार के लिए करती है। कुछ-कुछ वैसे ही जैसे हम करती हैं, तुम जैसे मर्दों के साथ।

बात गहरी थी। उसे पचाने में मुझे वक़्त लगा — यह देखते हुए कि मेरी जहालत धरती की आख़िरी औरत की अक़्ल पर भी हमेशा भारी पड़ती रही।

मैं मुस्कुराने लगा। मेरी पत्नी ने दूसरे कमरे से पूछा कि मैं किस बात पर हँस रहा हूँ। मैंने क्या देख लिया।

मैंने उससे कहा कि बस एक भूत था।

एक रात के भीतर का भूत।

नांदो